



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार 3 फरवरी, 2004/14 मार्च, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

नगर एवं ग्राम योजना विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 8 जनवरी, 2004

संख्या टी० सी० पी० (एफ०) 5-4/2003.—हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम योजना अधिनियम, 1977 की धारा 66 की उप-धारा (1) के अधीन अधिसूचना संख्या लो० नि० (ख) 26 (162) 87 तारीख 16-10-89 द्वारा भरमौर विशेष क्षेत्र का गठन कर दिया गया है;

और उक्त विशेष क्षेत्र के विद्यमान भू-उपयोग नक्शे का पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 15 के अधीन, अभी तक प्रकाशित नहीं किया गया है।

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का समाधान हो गया है कि पूर्वोक्त विशेष क्षेत्र में भूमि उपयोग में परिवर्तन करने या उसमें किसी भवन के निर्माण करने से सतह या किसी भूमि या मिट्टी को क्षति पहुंचने की संभावना है या यह मिट्टी के परीक्षण, भूमि के खिसकने की रोकथाम या कटाव के संरक्षण के लिए हानिकारक है और उक्त अधिनियम उपबन्धों के अनुसार उक्त क्षेत्र की योजना बनाना और उसका विकास करना कठिन हो गया है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम योजना अधिनियम, 1977 (1977 का 12) की धारा 15-क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भ्रमौर विशेष क्षेत्र के विद्यमान भूमि उपयोग को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए बन्द करते हैं।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. TCP-(F)-5-4/2002 dated 8-1-2004, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## TOWN AND COUNTRY PLANNING DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 8th January, 2004

No. TCP.(F)-5-4/2002.—Whereas Bharmour Special Area has been constituted under sub-section (1) of section 66 of the H. P. Town and Country Planning Act, 1977 vide notification No. PBW-(B&R)(B) 26(162)87, dated 16-10-1989;

And whereas existing landuse map of the said Special Area has not yet been published under section 15 of the Act, *ibid*;

And whereas the Governor of Himachal Pradesh is satisfied that in the aforesaid Special Area, the change of land use of any building operation therein is likely to cause injurious disturbance of the surface or any land or soil or is considered detrimental to the preservation of the soil, prevention of land slips or protection against erosion and is likely to make it difficult to plan and develop the said area in accordance with the provision of the aforesaid Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 15-A of the Himachal Pradesh Town and Country Planning Act, 1977 (Act No. 12 of 1977) the Governor of Himachal Pradesh is pleased to freeze the existing land use of "Bharmour Special Area" for a period of 3 years from the date of publication of the Notification in the official Gazette.

By order,

Sd/-  
Secretary.

नगर एवं ग्राम योजना विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 8 जनवरी, 2004

संख्या टी0 सी0 पी0 (एफ0) 5-4/2003.—हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम योजना अधिनियम, 1977 की धारा 66 की उप-धारा (1) के अधीन अधिसूचना संख्या लो0 नि0 (ख) 26 (162) 87 तारीख 16-10-89 द्वारा केलॉग विशेष क्षेत्र का गठन कर दिया गया है ;

और उक्त विशेष क्षेत्र के विद्यमान भू-उपयोग नक्शे को, पूर्वोक्त अधिनियम की धारा-15 के अधीन, अभी तक प्रकाशित नहीं किया गया है ;

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का समाधान हो गया है कि पूर्वोक्त विशेष क्षेत्र में भूमि उपयोग में परिवर्तन करने या उसमें किसी भवन के निर्माण करने से सतह या किसी भूमि या मिट्टी को क्षति पहुंचने की संभावना है या यह मिट्टी के परिक्षण, भूमि के खिसकने की रोकथाम या कटाव के संरक्षण के लिए हानिकारक है और उक्त अधिनियम उपबन्धों के अनुसार उक्त क्षेत्र की योजना बनाना और इसका विकास करना कठिन हो गया है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगर और ग्राम योजना अधिनियम, 1977 (1977 का 12) की धारा 15-क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केलांग विशेष क्षेत्र के विद्यमान भूमि उपयोग का इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए बन्द करते हैं।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान मन्त्रि ।

*[Authoritative English Text of this Department Notification No. T. C. P. (F) 5-4/2002 dated 8-1-2004, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].*

## TOWN AND COUNTRY PLANNING DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-2, the 8th January, 2004*

No. TCP.(F) 5-4/2002.—Whereas Keylong Special Area has been constituted under sub-section (1) of section 66 of the H. P. Town and Country Planning Act, 1977 *vide* notification No. PBW (B&R)(B) 26 (162)87 dated 16-10-1989.

And whereas existing land use map of the said Special Area has not yet been published under section 15 of the Act, *ibid*.

And whereas the Governor of Himachal Pradesh is satisfied that in the aforesaid Special Area, the change of land use or any building operation therein is likely to cause injurious disturbance of the surface or any land or soil, or is considered detrimental to the preservation of the soil, prevention of land slips or protection against erosion and is likely to make it difficult to plan and develop the said area in accordance with the provision of the aforesaid Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 15-A of the Himachal Pradesh Town and Country Planning Act, 1977 (Act No. 12 of 1977) the Governor of Himachal Pradesh is pleased to freeze the existing land use of "Keylong Special Area" for a period of 3 years from the date of publication of the Notification in the official Gazette.

By order,

Sd/-  
Secretary.

नगर एवं ग्राम योजना विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 8 जनवरी, 2004

संख्या टी0 सी0 पी0 (एफ0) 5-4/2003.—हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम योजना अधिनियम, 1977 की धारा 66 की उप-धारा (1) के अधीन अधिसूचना संख्या लो0 नि0 (ख) 26 (162/87, तारीख 16-10-89 द्वारा किलाड़ (पांगी) विशेष क्षेत्र का गठन कर दिया गया है ;

और उक्त विशेष क्षेत्र के विद्यमान भू-उपयोग नक्शे को पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 15 के अधीन, अभी तक प्रकाशित नहीं किया गया है।

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का समाधान हो गया है कि पूर्वोक्त विशेष क्षेत्र में भूमि उपयोग में परिवर्तन करने या उसमें किसी भवन निर्माण करने से सतह या किसी भूमि या मिट्टी को क्षति पहुंचने की सम्भावना है या यह मिट्टी के परीक्षण, भूमि के खिसकने की रोकथाम या कटाव के संरक्षण के लिए हानिकारक है और उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार उक्त क्षेत्र को योजना बनाना और उसका विकास करना कठिन हो गया है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम योजना अधिनियम, 1977 (1977 का 12) की धारा 15-क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए किलाड़ (पांगी) विशेष क्षेत्र के विद्यमान भूमि उपयोग को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए बन्द करते हैं।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
सचिव।

*[Authoritative English text of this Department Notification No. TCP-(F)-5-4/2002, dated 8-1-2004 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of the India].*

## TOWN AND COUNTRY PLANNING DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 8th January, 2004

**No. TCP-(F)-5-4/2002**—Whereas Killar (Fang) Special Area has been constituted under sub-section (1) of section 66 of the H. P. Town and Country Planning Act, 1977 vide notification No. PBW (B&R) (B) 26(162)87, dated 16-10-1989 ;

And whereas existing land use map of the said Special Area has not yet been published under section 15 of the Act *ibid* ;

And whereas the Governor of Himachal Pradesh is satisfied that in the aforesaid Special Area, the change of land use or any building operation therein is likely to cause injurious disturbance of the surface or any land or soil, or is considered detrimental to the preservation of the soil, prevention of land slips or protection against erosion and is likely to make it difficult to plan and develop the said area in accordance with the provision of the aforesaid Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 15-A of the Himachal Pradesh Town and Country Planning Act, 1977 (Act No 12 of 1977) the Governor of Himachal Pradesh is pleased to freeze the existing land use of "Killar (Pangi) Special Area" for a period of 3 years from the date of publication of the Notification in the official Gazette.

By order,  
Sd/-  
Secretary.